Name	vikas singh	Birth Place	Khagaria (INDIA)	लग्न राशि	लग्न स्वामी (लग्नेश)	चन्द्र नक्षत्र	पक्ष	गण	शनिदेव की शाढ़ेसाती / ढ़ैय्या	
DOB	21:10:1995 (शनिवार)	Weight	62	तुला	शुक्र	पुर्वफाल्गुनी (3)	कृष्ण	मनुष्य	शाढ़ेसाती	नहीं चल रही है।
Birth Time	06:06:00	Phone No.	9716186925						ढ़ैय्या	नहीं चल रही है।

लैब सर्टिफाइड रत्न खरीदने के लिए वेबसाइट पर जाएं। सभी रत्न आपको लैब टेस्टिंग रिपोर्ट के साथ मिलेंगे (ओरिजिनल की फुल गारंटी) ☞ **www.kudwalgemslab.com**

लग्न (जन्म) कुण्डली

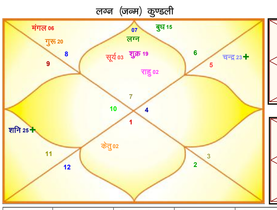

चलित कुण्डली

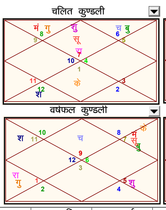

नवांश कुण्डली

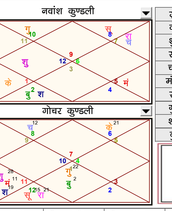

वर्षफल कुण्डली

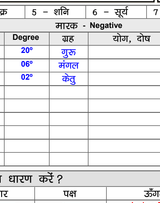

गोचर कुण्डली

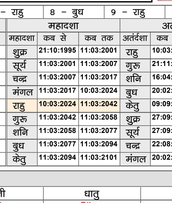

ग्रह	नक्षत्र	उप नक्षत्र	उपउप नक्षत्र
केतु	केतु	शुक्र	शनि
शुक्र	राहु	मंगल	शनि
सूर्य	मंगल	शुक्र	मंगल
चन्द्र	शुक्र	शनि	सूर्य
मंगल	शनि	बुध	चन्द्र
राहु	मंगल	केतु	शनि
गुरू	बुध	शुक्र	मंगल
शनि	गुरू	बुध	राहु
बुध	चन्द्र	गुरू	चन्द्र

Astrologer Amit Kudwal
WhatsApp No-7737285103

कस्प	1 - राहु	2 - बुध	3 - राहु	4 - शुक्र	5 - शनि	6 - सूर्य	7 - राहु	8 - बुध	9 - राहु	10 - शुक्र	11 - शनि	12 - चन्द्र

योगकारक - Positive				मारक - Negative			
योग, दोष	ग्रह	Degree	Power	Power	Degree	ग्रह	योग, दोष
पचंमहापुरूष योग (शुक्र)	शुक्र	19°	50%	50%	20°	गुरू	
	शनि(व)	25°	25%	50%	06°	मंगल	
	चन्द्र	23°	50%	0%	02°	केतु	
नीच भंग राजयोग	सूर्य	03°	25%				
विपरीत राजयोग	बुध	15°	100%				
	राहु	02°	0%				

महादशा			अतंर्दशा			प्रतयन्तर दशा		
महादशा	कब से	कब तक	अतंर्दशा	कब से	कब तक	प्रतयन्तर	कब से	कब तक
शुक्र	21:10:1995	11:03:2001	राहु	10:03:2024	21:11:2026	राहु	10:03:2024	05:08:2024
सूर्य	11:03:2001	11:03:2007	गुरू	21:11:2026	16:04:2029	गुरू	05:08:2024	15:12:2024
चन्द्र	11:03:2007	11:03:2017	शनि	16:04:2029	20:02:2032	शनि	15:12:2024	20:05:2025
मंगल	11:03:2017	10:03:2024	बुध	20:02:2032	09:09:2034	बुध	20:05:2025	06:10:2025
राहु	10:03:2024	11:03:2042	केतु	09:09:2034	27:09:2035	केतु	06:10:2025	03:12:2025
गुरू	11:03:2042	11:03:2058	शुक्र	27:09:2035	27:09:2038	शुक्र	03:12:2025	16:05:2026
शनि	11:03:2058	11:03:2077	सूर्य	27:09:2038	22:08:2039	सूर्य	16:05:2026	04:07:2026
बुध	11:03:2077	11:03:2094	चन्द्र	22:08:2039	20:02:2041	चन्द्र	04:07:2026	25:09:2026
केतु	11:03:2094	11:03:2101	मंगल	20:02:2041	11:03:2042	मंगल	25:09:2026	21:11:2026

Point No - 1 कौन सा रत्न/रूद्राक्ष धारण करें ?

रत्न ☞	रत्न	रत्ती	वार	पक्ष	ऊँगली	धातु	रत्न से फायदा
	व्हाइट टोपाज़	6.25	शुक्रवार	शुक्ल	Index Finger	Silver	स्वास्थ्य

रूद्राक्ष ☞ आप एक पीस 8 मुखी रूद्राक्ष धारण करें सिल्वर केप रूद्राक्ष माला के साथ में।

बोहोत ही कम कीमत में लैब रिपोर्ट के साथ में रत्न और रूद्राक्ष खरीदने के लिए वेबसाइट पर जाएं ☞ **ONLINE STORE - www.kudwalgemslab.com**

Point No - 2 रत्न और रूद्राक्ष धारण विधि

रत्न धारण विधि	रत्न और रूद्राक्ष धारण करने से पहले उसे कच्चे दूध और गंगाजल में डुबो कर बाहर निकाल लें और फिर उस रत्न के देवता के बीज मंत्र का जाप करें 108 बार रत्न को हाथ में रख कर फिर उसे धारण करें और चौघड़िया के अनुसार धारण करें।
रूद्राक्ष धारण विधि	शुक्ल पक्ष के सोमवार के दिन चौघड़िया देख कर गंगाजल और कच्चे दूध में से रूद्राक्ष को डुबो कर निकाल कर ऊँ नमः शिवाय का 108 बार जप करके धारण करें।

रत्न के देवता के बीज मंत्र

माणिक - सूर्यदेव = ऊँ घृणिः सूर्याय नमः	पुखराज - बृहस्पति (गुरू) देव = ऊँ ब्रह्म बृहस्पतये नमः	मोती - चन्द्रदेव = ऊँ सों सोमाय नमः	वाइट टोपाज - शुक्रदेव = ऊँ शुं शुक्राय नमः
मूँगा - मंगलदेव = ऊँ अं अंगारकाय नमः	पन्ना - बुधदेव = ऊँ बुं बुधाय नमः	नीलम - शनिदेव - ऊँ शं शनैश्चराय नमः	रूद्राक्ष - ऊँ नमः शिवाय

Point No - 3 कौन से मारक ग्रहों का दान करें, जिससे उनका नकारात्मक असर समाप्त हो जाए ?

बृहस्पति देव के लिए दान - चने की दाल, मक्का, पीले वस्त्र

केतु देव के लिए दान - कुत्ते को रोटी, मछली को दाना, कम्बल

1. जिस देवता का आप दान कर रहे हैं वह उसके वार को ही करें जैसे सूर्य देव का रविवार, चन्द्र देव का सोमवार, मंगल देव का मंगलवार, बुध देव का बुधवार, बृहस्पति देव का गुरूवार, शुक्र देव का शुक्रवार, शनि देव का शनिवार, राहु देव और केतु देव का दान भी शनिवार को ही करना है। (दान की लिस्ट में जिन ग्रहों का दान लिखा है उनका ही दान करना है।)
2. दान की जो लिस्ट है उस में से किसी एक वस्तु का दान आप कर सकते हैं रू 50 तक का हर सप्ताह
3. दान किसी गरीब या जरूरतमंद इंसान को ही करें, जिन ग्रहों के दान के बारे में बताया है उनका ही दान करना है

Point No - 4 कौन से देवता की पूजा करें ?

लग्न देवता ☞	लक्ष्मी जी	ईस्ट देवता ☞	शनि देव
	बीज मंत्र - ऊँ लक्ष्मी नमः		बीज मंत्र - ऊँ शं शनैश्चराय नमः

आपको जो मेने लग्न देवता और ईस्ट देवता के नाम बताए हैं उनके वार को अगर आप उनके बीज मंत्र का जाप करते हैं और उनका व्रत करते हैं तो
आपके जीवन की हर समस्या का समाधान स्वतः ही हो जाएगा और जीवन में सफलता के रास्ते खुलते चले जाएंगे

Point No - 5 कौन से 4 ग्रहों के बीज मंत्र का जप करें ?

(1) लग्नेश	☞ शुक्र देव	(2) ईस्ट ग्रह	☞ शनि देव	(3) महादशा	☞ राहु देव	(4) अन्तर्दशा	☞ राहु देव
	बीज मंत्र - ऊँ शुं शुक्राय नमः		बीज मंत्र - ऊँ शं शनैश्चराय नमः		बीज मंत्र - ऊँ रां राहवे नमः		बीज मंत्र - ऊँ रां राहवे नमः

कुण्डली में बनने वाले योग, दोष और उपाय

(1). व्हाइट टोपाज़ धारण करने से स्वास्थ्य उत्तम होगा।

(2). माला या ब्रेसलेट :- आप चाहे तो 1 से 9 मुखी रुद्राक्ष माला या रुद्राक्ष ब्रेसलेट धारण कर सकते हैं। इससे आपके नौं के नौं ग्रह ही सकारात्मक हो जाएगे। रुद्राक्ष सदैव सकारात्मक परिणाम ही देते हैं।

(3). रत्न लाभ :- रत्नो को धारण करने से ग्रहो को बल मिलेगा और ग्रहो की सकारात्मक ऊर्जा बढेगी।

(4). आप एक पीस 8 मुखी रूद्राक्ष धारण करें सिल्वर केप रूद्राक्ष माला के साथ में। यह आपके स्वास्थ्य, धन और बुद्धिबल के लिए फायदेमंद रहेगा।

(5). पंचमहापुरुष राजयोग (शुक्र देव) :- आपकी कुण्डली में शुक्र देव का मालव्य नामक राजयोग बन रहा है। इस राजयोग के फल आपको शुक्र देव की महादशा व अंतर्दशा में प्राप्त होगे।

(6). नीचभंग राजयोग :- आपकी कुण्डली में यह नीचभंग राजयोग बन रहा है। इस राजयोग में पहले विपरीत परिस्थितियां बनती हैं, उसके बाद सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। इस राजयोग के फल आपको दशा - अंतर्दशा में प्राप्त होगे।

(7). विपरीत राजयोग :- आपकी कुण्डली में विपरीत राजयोग बन रहा हैं। इस राजयोग मे पहले विपरीत परिस्थितिया बनती हैं। उसके बाद सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। इस राजयोग के फल आपको महादशा व अंतर्दशा में प्राप्त होगे।

(8). ईष्ट देव :- कुण्डली में 5वाँ घर ईष्ट देव का होता है, यदि आप ईष्ट देव के बीज मंत्रो को सिद्ध करते हैं तो बुद्धि बल बढेगा। और बुद्धि के बल पर मनुष्य अपने सभी कार्यो को सफल कर सकता हैं।

(9). रुद्राक्ष लाभ :- रुद्राक्ष के सदैव सकारात्मक परिणाम ही मिलते हैं, रुद्राक्ष हम मारक ग्रहो के भी धारण कर सकते हैं, क्यो कि रुद्राक्ष मारक ग्रहो की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर देता हैं। रुद्राक्ष हम एक से अधिक ग्रहो के भी एक साथ धारण कर सकते हैं।

(10). ग्रहो की Power :- भले ही आपकी कुण्डली में राजयोग बन रहा है लेकिन वह ग्रह कमजोर या अस्त है तो आपको उन ग्रहो के उपाय से ही राजयोग के परिणाम प्राप्त होगे।

(11). ग्रहो के रिजल्ट :- यदि आप कोई भी रत्न या रुद्राक्ष धारण करते हैं तो आपको उन ग्रहो के परिणाम 45 दिन बाद मिलना प्रारंभ होते हैं क्यो कि बॉडी के हारमोंस परिवर्तित होते हैं और ग्रह नक्षत्र की स्थिती भी परिवर्तित होती हैं।

अगर आप 1 से 9 मुखी रूद्राक्ष माला या 1 से 9 मुखी रूद्राक्ष ब्रेसलेट धारण कर लेते हैं तो इससे श्रेष्ठ कुछ नहीं और
यदि आप और ज्यादा पावर के लिए 1 से 14 मुखी रूद्राक्ष माला या 1 से 14 मुखी रूद्राक्ष ब्रेसलेट धारण कर लेते हैं तो यह सबसे ज्यादा श्रेष्ठ है।

कुछ मुख्य प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न (1). बीज मंत्र सिद्ध कैसे होते हैं ?

बीज मंत्र सिद्ध होने की संख्या.....

बृह देव	19000	176 Days	बुध देव	9000	84 Days	केतु देव	17000	158 Days
शनि देव	23000	213 Days	चंद्र देव	11000	102 Days	गणेश जी	9000	84 Days
सूर्य देव	7000	65 Days	शुक्र देव	16000	149 Days	लक्ष्मी जी	16000	149 Days
मंगल देव	10000	93 Days	राहू देव	18000	167 Days	शिव जी	11000	102 Days

प्रश्न (2). बीज मंत्र करते समय अगर बीच में गैप हो जाए तो क्या करें ?

बीज मंत्र करते समय बीच मे गैप हो जाए तो आप उस दिन के बीज मंत्र अगले दिन कर सकते हैं जैसे अगले दिन फिर आप 2 माला का जाप करे और ज्यादा दिन का गैप हो जाए तो फिर एक-एक माला एक्स्ट्रा करके उन बीज मंत्र को कवर कर ले।

प्रश्न (3). बीज मंत्र सिद्ध करने के बाद क्या करना है ?

किसी भी मंत्र को आप सिद्ध कर ले उसके बाद उस बीज मंत्र का जाप उस देवता के वार को करे, जैसे आपने बुद्धदेव के बीज मंत्र सिद्ध कर लिये हैं तो सिद्ध होने के बाद उस दिन मंत्र का जाप आपको हर बुधवार को करना है एक माला इससे उनकी एनर्जी बरकरार रहेगी।

प्रश्न (4). बीज मंत्र कौन से हैं ?

सूर्य देव :- ऊँ घृणिः सूर्याय नमः — Om Gohrni Suryay Namah
शुक्र देव :- ऊँ शुं शुक्राय नमः — Om Shum Shukray Namah
बृह देव :- ऊँ ब्रहम बृहस्पतए नमः — Om Bram Brahaspatay Namah
बुध देव :- ऊँ बुं बुधाय नमः — Om Bum Budhay Namah
चंद्र देव :- ऊँ सोम सोमाय नमः — Om Som Somay Namah
मंगल देव :- ऊँ अं अंगारकाय नमः — Om Ang Angarkay Namah
शनि देव :- ऊँ शं शनैश्चराय नमः — Om Sham Shaneshchray Namah
केतु देव :- ऊँ के केतवे नमः — Om Kem Ketve Namah
राहू देव :- ऊँ रां राहवे नमः — Om Ram Rahve Namah

प्रश्न (5). दान कब और कैसे करें ?

- जिस देवता का आप दान कर रहे हैं वह उसके वार को ही करे जैसे मंगल देव का मंगलवार को शनि देव का शनिवार को बृहस्पति देव का गुरूवार को शुक्र देव का शुक्रवार को।
- दान की जो लिस्ट हैं उस में से किसी एक वस्तु का दान आप करे सकते हैं रू.50 तक का हर सप्ताह तक का हर सप्ताह
- दान किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को ही करे।

प्रश्न (6). कौन से 4 बीज मंत्र करने हैं और उनका क्या लाभ है ?

1. लग्नेश :- लग्नेश के बीज मंत्र से शरीर स्वस्थ रहेगा।
2. ईष्ट ग्रह :- ईष्ट ग्रह के बीज मंत्र से बुद्धि बल बढेगा।
3. महादशा :- महादशा जिस ग्रह की चल रही हैं उसके मंत्र से महादशा के सकारात्मक परिणाम मिलेगे।
4. अंतर्दशा :- जिस ग्रह की अतर्दशा चल रही हैं उसके मंत्र से अभी की घटनाए सकारात्मक होगी।

प्रश्न (7). बीज मंत्र करने की विधि क्या है ?

बीज मंत्र आप रुद्राक्ष माला से करे और अपने घर के मंदिर के सामने बैठकर बीज मंत्र का जाप करे, बीज मंत्र करते समय आपका मुख पुर्व दिशा या उत्तर दिशा में हो तो ज्यादा अच्छा हैं।
हो सके तो बीज मंत्र करते समय एक दीपक भी जलाएं। जब आप बीज मंत्र का जाप कर रहे है तो अपने पास एक गिलास या लौटे में पानी रखे तथा बीज मंत्र करने के बाद उस जल को आप ग्रहण (जल को पीना है।) करे।

प्रश्न (8). रत्न और रूद्राक्ष के क्या लाभ हैं ?

अगर आपकी कुण्डली में रत्न बताए गए हैं और आप उन्हे धारण करते है तो निश्चित ही आपको उनसे लाभ प्राप्त होगे क्यो कि रत्न ग्रहो को बल प्रदान करते हैं और फिर ग्रह अधिक बल के साथ अधिक सकारात्मक परिणाम देते हैं।
इसी प्रकार रुद्राक्ष से भी लाभ होता है तथा रुद्राक्ष मारक ग्रहो को भी सकारात्मक कर देता हैं।

प्रश्न (9). मारक ग्रहों का दान करने से क्या लाभ होगा ?

मारक ग्रहो का दान करने से उनका नकारात्मक प्रभाव हम पर से समाप्त हो जाता है फिर मारक ग्रह उनकी दशा - अंतर्दशा में हमे ज्यादा बुरे फल नही देते हैं और अगर हम दान के साथ उन ग्रहो के बीज मंत्र भी कर रहे हैं तो फिर वह मारक ग्रह भी सकारात्मक जैसे परिणाम देते हैं। "लिस्ट मे बताये गये ग्रहो का ही दान करे।"

प्रश्न (10). रत्न और रूद्राक्ष कैसे आर्डर करें ?

रत्न और रुद्राक्ष कैसे आर्डर करे - बहुत आसानी से आप रत्न और रुद्राक्ष वेबसाइट (www.kudwalgemslab.com) से आर्डर कर सकते है, जो भी रत्न और रुद्राक्ष आपको दिए जाएंगे वो बहुत ही कम कीमत के होंगे पर रिजल्ट देने के हिसाब से सबसे बेस्ट क़्वालिटी के होंगे और आपके आर्डर करने के 2 , 3 दिन में ही आपको डिस्पैच की ट्रैकिंग डिटेल्स दे दी जाएगी।